कुमार जीवन - 46

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ कुमारों को पेपर देने के लिए युद्ध करनी पड़ती है। पवित्र बनना है, यह संकल्प किया तो माया युद्ध करना शुरु कर देती है। **कुमार जीवन श्रेष्ठ जीवन है। महान आत्मायें हैं। अभी कुमारों को कमाल करके दिखानी है।** **सबसे बड़े ते बड़ी कमाल है - बाप के समान बन बाप के साथी बनाना। जैसे आप स्वयं बाप के साथी बने हो ऐसे औरों को भी साथी बनाना है।** माया के साथियों को बाप के साथी बनाना है - ऐसे सेवाधारी। अपने वरदानी स्वरुप से शुभ भावना और शुभ कामना से बाप का बनाना है। इसी विधि द्वारा सदा सिद्धि को प्राप्त करना है। जहाँ श्रेष्ठ विधि है वहाँ सिद्धि जरुर है। कुमार अर्थात् सदा अचल। हलचल में आने वाले नहीं। अचल आत्मायें औरों को भी अचल बनाती हैं। **(11-05-1984)**

➢➢ माया से युद्ध होने पर विजय कैसे हो ?

➳ _ ➳ निश्चय होना चाहिये की

→ हमारे साथ कौन है ?

➳ _ ➳ दृढ़ता की शक्ति चाहिए

➳ _ ➳ Power Of Visualisation से

→ अपनी विजय होते हुए देखिये

➳ _ ➳ नकारात्मक संकल्पों के विरोध में

→ सकारात्मक संकल्प उत्पन्न कीजिये

➳ _ ➳ विकारों के प्रति घृणा स्वयं में उत्पन्न कीजिये

→ जैसे :- सिगरेट से छूटने के लिए सिगरेट के नुकसानों का चिंतन कीजिये

➳ _ ➳ सांसारिक सुखों से छूटने के लिए

→ स्वयं को ईश्वरीय प्रेम से भरिये

➳ _ ➳ अगर अमृतवेला अतीन्द्रिय सुख का अनुभव नहीं किया है तो

→ व्यक्ति दिन भर

- या तो दुसरे व्यक्तियों में सुख को ढूंढेगा
- या भोजन में सुख ढूंढेगा
- या टीवी में सुख ढूंढेगा

➳ _ ➳ स्वयं को अनुभवों की अथॉरिटी बनाना है

➳ _ ➳ सम्पूरण विश्वास रखिये की

→ **विजय हुई ही पडी है (आत्म विश्वास से भरपूर)**

→ **मन के जीते जीत... मन के हारे हार**

→ **विजय तो पहले मन में होती है... वास्तविकता में वो फिर बाद में रूपांतरित होता है**